# द इंग्लिश सीलिंग

सिर्फ़ 10.6% भारतीयों के पास इंग्लिश — बाक़ी के लिए वेलनेस रुक जाता है

**डॉ. अतुल असवानी**; मुंबई के साइकियाट्रिस्ट और ट्रेंड रिज़ल्ट्स कोच
22 September 2026

# द इंग्लिश सीलिंग

## सिर्फ़ 10.6% भारतीयों के पास इंग्लिश — बाक़ी के लिए वेलनेस रुक जाता है

ज्यादातर भारतीय वेलनेस बेनिफिट एक भाषा बोलते हैं। ज्यादातर कर्मचारी वो भाषा नहीं बोलते। 23 भाषाओं में मातृभाषा इमोशनल फ़िटनेस — और अनुवाद लोकलाइज़ेशन क्यों नहीं है।

इस पेपर में

01 Executive summary
02 The problem in India
03 Why current approaches fail
04 The emotional-fitness model applied
05 The localisation ladder
06 Measurement
07 Implementation
08 One-page checklist the reader can run this week
09 FAQ
10 References

लेखक

**डॉ. अतुल असवानी**; मुंबई के साइकियाट्रिस्ट और ट्रेंड रिज़ल्ट्स कोच

प्रकाशित

22 September 2026 · हिंदी संस्करण · emotionapp.in/research/the-english-ceiling

## 01 Executive summary

**2011 की जनगणना भारत की आख़िरी पूरी भाषा गिनती है। उसमें सिर्फ़ 10.6 फ़ीसदी लोगों ने इंग्लिश को पहली, दूसरी या तीसरी भाषा बताया। इसी लकीर को द इंग्लिश सीलिंग (The English Ceiling) कहें। कंपनी में वो स्तर जहाँ इंग्लिश-ओनली वेलनेस इस्तेमाल होना बंद हो जाता है।**

ज्यादातर भारतीय वेलनेस बेनिफिट एक भाषा बोलते हैं। ज्यादातर कर्मचारी वो भाषा नहीं बोलते। नागपुर की नाइट शिफ़्ट में एक ऑपरेटर चुप हो गया है। सुपरवाइज़र हिंदी में पूछता है, "मन भारी है क्या?" वहाँ कोई नहीं पूछता, "Are you stressed?" mental health support in Hindi यहीं से शुरू होता है। ये कोई एहसान नहीं है। vernacular mental health app अगर सिर्फ़ मेन्यू के लेबल बदल दे, तो कोचिंग फिर भी किसी और की जुबान में चलती है। multilingual employee wellbeing India तब फेल होता है जब प्रोग्राम ऊपर इंग्लिश हो और नीचे चुप। employee wellbeing regional languages कोई कंटेंट प्रोजेक्ट नहीं है। ये डिज़ाइन का फ़ैसला है।

पहली भाषा में भावना अपने आप नाम लेती है। वहाँ वो ज्यादा तेज़ भी लगती है। संस्कृति के हिसाब से ढाले प्रोग्राम, बिना ढाले उसी प्रोग्राम से बेहतर चलते हैं। इंटरफ़ेस का अनुवाद कोचिंग की बात नहीं है।

इमोशनऐप (EmotionApp) रोज़ गिने जा सकने वाले रेप्स देता है। 23 भाषाओं में। दो भाषाओं वाला कोच। व्हाट्सऐप वॉइस नोट। डैशबोर्ड पर कोई क्लिनिकल डेटा नहीं। इमोशनऐप डायग्नोसिस नहीं करता। इलाज नहीं करता। थेरेपी नहीं देता। ये पेपर प्लांट, बीपीओ और फ़ील्ड के सीएचआरओ को पाँच स्तर की लोकलाइज़ेशन सीढ़ी देता है। 90 दिन का प्लान भी। इस हफ़्ते चलने वाली चेकलिस्ट भी।

## 02 The problem in India

एक प्लांट सीएचआरओ ने कहा। कैंटीन वाला ईएपी पोस्टर सुंदर था। लैमिनेट। इंग्लिश। ग्यारह महीने। एक कॉल नहीं। ये स्टिग्मा का राज़ नहीं है। ये भाषा की लकीर है।

हैदराबाद की बिल्डिंग साइट। ड्रॉइंग इंग्लिश में। मचान पर लोग तेलुगु और ओडिया बोलते हैं। अच्छा साइट इंजीनियर ड्रॉइंग टांगकर चला नहीं जाता। फ़्लोर पर घूमता है। हर बदलाव लोगों की जुबान में बताता है। वेलनेस प्रोग्राम इंग्लिश पन्ना टांगते हैं, ये

चक्कर छोड़ देते हैं। फिर हैरान होते हैं कि शॉप फ़्लोर चढ़ता क्यों नहीं।

**The last official count**

जनगणना 2011 — भाषा टेबल Paper 1 of 2018 में छपे। इंग्लिश को मातृभाषा बताने वाले 2,59,678 लोग थे। यानी 0.02 फ़ीसदी आबादी। दूसरी और तीसरी भाषा जोड़ो तो भी 12.85 करोड़ लोग। 121 करोड़ में से 10.6 फ़ीसदी।

ये आंकड़ा पंद्रह साल पुराना है। ये आख़िरी सरकारी भाषा गिनती भी है। इसे फ़र्श मानो। सपने की छत मत मानो। इंग्लिश कॉलेज और शहर की सैलरी वाली नौकरी में फैली है। रात ग्यारह बजे डर, शर्म, गर्व या थकान ज्यादातर हिंदुस्तानी इसी में नहीं नाम देते।

उसी जनगणना में हिंदी पहली भाषा थी 52.8 करोड़ लोगों की। किसी न किसी रूप में 69.2 करोड़ की — देश का 57 फ़ीसदी। बांग्ला, मराठी, तेलुगु, तमिल, गुजराती, उर्दू, कन्नड़, ओडिया, मलयालम और पंजाबी — हर एक करोड़ों लोगों की पहली भाषा है। आठवीं अनुसूची में 22 भाषाएँ हैं। इमोशनऐप का ब्रू वही 22 प्लस इंग्लिश: 23।

**Who actually works**

Periodic Labour Force Survey इंग्लिश-स्किल की टेबल नहीं छापता। सरकार पढ़ाई छापती है। ऑफ़िस इंग्लिश किसके लिए आसान है, इसका सबसे करीबी सरकारी इशारा यही है।

Economic Survey 2024-25 ने PLFS 2023-24 यूनिट डेटा देखा। भारतीय वर्कफ़ोर्स का 90.2 फ़ीसदी दसवीं तक या उससे कम पढ़ा है। हिसाब साफ़ है। 52.4 फ़ीसदी करीब दसवीं या अनौपचारिक पढ़ाई। 37.8 फ़ीसदी हायर सेकेंडरी। 7.6 फ़ीसदी ग्रेजुएट। 2.2 फ़ीसदी पोस्टग्रेजुएट या ऊपर।

अलग से PLFS 2025 प्रेस नोट कहता है। 15 साल और ऊपर की **आबादी** में 67.8 फ़ीसदी के पास कम से कम दसवीं है। औसतन 10.0 साल स्कूली पढ़ाई। ये आबादी का आंकड़ा है। वर्कफ़ोर्स का नहीं। प्लांट, बीपीओ नाइट शिफ़्ट और फ़ील्ड क्रू ग्रेजुएट बैंड के नीचे बैठते हैं। इंग्लिश-ओनली बेनिफिट इन्हीं को छोड़ देता है।

दुकान वाला पहला दिन यही सीखता है। बोर्ड की भाषा में मत बेचो। खरीदने वाला फ़्लोर पर रहता है। जो प्रोग्राम ग्रेजुएट इंग्लिश मानकर चलता है, वो देश के 10 फ़ीसदी को बेचता है। बाकी पर उम्मीद टिकाता है।

**Multilingual employee wellbeing India is not a translated menu**

कवरेज सुधर रहा है। बराबर नहीं है। vernacular mental health app अगर सिर्फ़ इंग्लिश प्रोग्राम की खाल बदले, तो वो अब भी द इंग्लिश सीलिंग के नीचे है। employee wellbeing regional languages तब शुरू होती है जब कोचिंग खुद उस भाषा में बनी हो। प्रॉम्प्ट। भावना का शब्द। कहावत। आवाज़ का जवाब।

**How platforms cover language today**

कवरेज सुधर रहा है। बराबर नहीं है।

| Platform | Public language claim | What the claim usually means | Source |
|---|---|---|---|
| Amaha | 15+ Indian languages | Expert fluency for sessions | amahahealth.com |
| YourDOST | Over 20 Indian languages / 20+ vernacular | Counsellor availability | yourdost.com |
| EmotionApp | 23 languages in the brew; English and Hindi live | Interface, coaching copy, emotion words, voice | emotionapp.in |

Amaha होमपेज कहता है: 15+ भारतीय भाषाओं में धाराप्रवाह। YourDOST कहता है: 20 से ज्यादा भारतीय भाषाओं में मदद। इमोशनऐप कहता है: तेईस भाषाएँ ब्रू में। गिनती पूरी कहानी नहीं है। तमिल में एक सेशन और तमिल में रोज़ की प्रैक्टिस एक बात नहीं। तमिल भावना-शब्द। लाइन वर्कर की जानी हुई तमिल कहावत। सीढ़ी सेक्शन 5 में है।

**Comparison the CHRO can use**

| Fact | Number | Year | What it means for benefits |
|---|---|---|---|
| Indians who reported English as L1, L2 or L3 | 10.6% (128.5 million) | Census 2011 | English-only programmes start by excluding most of the country |
| Indians who named English as mother tongue | 0.02% (259,678) | Census 2011 | Almost nobody **feels** in English first |
| Workforce at secondary education or less | 90.2% | Eco Survey 2024-25 / PLFS 2023-24 | Plant and field crews are not the graduate English cohort |
| Persons 15+ with at least secondary education | 67.8% | PLFS 2025 | Education is rising; English-as-feeling-language is not automatic |
| Scheduled languages + English | 22 + 1 = 23 | Constitution / EmotionApp | Mother-tongue coverage has a known list |

द इंग्लिश सीलिंग इसी टेबल में दिखती है। 7.6 फ़ीसदी ग्रेजुएट के लिए लिखा बेनिफिट हेड ऑफ़िस के डैशबोर्ड पर व्यस्त दिखेगा। शिफ़्ट रोस्टर पर खाली।

# 03 Why current approaches fail

अनुवाद लोकलाइज़ेशन नहीं है। यही पूरी दिक्कत है। नारे की पोशाक पहनकर।

मशीन अनुवाद "I feel anxious" को सही हिंदी वाक्य बना देगा। घबराहट नहीं देगा। मन भारी होना नहीं देगा। बहू सास के सामने गुस्सा नहीं कह पाती। पेट दर्द कह देती है। वो वजन भी नहीं देगा। सिर्फ़ इंग्लिश टोकन पर ट्रेनिंग लिया एआई मॉडल एंग्जायटी का साफ़ वाक्य लिख देगा। कैंटीन वाला डेटा छूट जाएगा।

**Interfaces translated, coaching not**

ज्यादातर प्लेटफ़ॉर्म रैपर बदलते हैं। मेन्यू हिन्दी हो जाता है। बटन "शुरू करें" हो जाता है। कोचिंग स्क्रिप्ट इंग्लिश वर्कशीट रहती है। भारतीय कपड़े पहनकर। सूरत की एक पैकर बटन दबाती है। ऐप पूछता है: कितना "overwhelmed" महसूस कर रही हो, नंबर दो। ये शब्द उसका नहीं है। वो ऐप बंद कर देती है। सोच को नाम देना। भावना को नाम देना। शब्दों को देखकर हल्के हाथ से पकड़ना। ये हुनर काम नहीं करते अगर शब्द सिर्फ़ क्लाइंट ईमेल वाले हों।

दो भाषाओं वाला प्रोफ़ेशनल दोपहर को इंग्लिश फ़ॉर्म भर लेता है। आधी रात को उसे हिंदी चाहिए। ऑफ़िस इंग्लिश औजार है। मातृभाषा की भावना घर है। जो प्रोग्राम दूसरी बात भूलता है, उसे मैनेजर के रजिस्ट्रेशन मिलते हैं। ऑपरेटर की चुप्पी मिलती है।

**Idioms and proverbs lost**

भारत की हर भाषा पहले से कोचिंग करती है। "मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।" "काल करे सो आज कर।" एक तेलुगु शिफ़्ट लीड हफ़्ते का प्रोडक्शन टारगेट चूक जाता है। घर जाते पूरे रास्ते वही सोचता रहता है। उसे छोड़ने के लिए नया रूपक नहीं चाहिए। दादी वाला चाहिए। तेलुगु में। उसी चूके टारगेट पर लगाया हुआ।

प्रोग्राम कहावत उतार देता है। अनुवादित वर्कशीट बैठा देता है। संस्कृति ने जो कोचिंग पहले चुकाई, वो फेंक दी। ये संवेदना नहीं है। ये मेज़ पर पैसे छोड़ना है।

**Voice ignored**

फ़ील्ड क्रू और प्लांट वर्कर की ज़िंदगी कीबोर्ड पर नहीं चलती। वॉइस नोट पर चलती है। द इंग्लिश सीलिंग के नीचे व्हाट्सऐप ही भारतीय काम का सिस्टम है। जो बेनिफिट इंग्लिश ऐप लॉगिन माँगता है, लैटिन कीबोर्ड माँगता है, शाम सात बजे 40 मिनट का वीडियो सेशन माँगता है — उसने यूज़र चुन लिया। वो एचआर में है। पैकिंग लाइन पर नहीं।

**The research underneath the joke**

ये पसंद का सर्वे नहीं है। Pavlenko की 2012 रिव्यू द्विभाषी लोगों पर थी। पहली भाषा का फ़ायदा मिला। भावना अपने आप प्रोसेस हुई। भावना वाले शब्दों पर त्वचा का असर L1 में ज्यादा रहा। बाद में सीखी भाषा अक्सर मतलब पकड़ती है। भावना नहीं। खासकर देर से द्विभाषी बने लोगों में। स्कूल में इंग्लिश सीखने वाले ज्यादातर भारतीय ऐसे ही हैं।

Dewaele ने हज़ार से ज्यादा बहुभाषी लोगों से पूछा। गाली और वर्जित शब्द पहली भाषा में सबसे ज़ोर से लगते हैं। Harris, Gleason और Ayçiçeği ने त्वचा-संचालन के सबूत देखे। L1 ज्यादा जगाती है। बचपन की डांट पर खास तौर पर। शर्म की आवाज़ इन्हीं

वाक्यों ने सिखाई।

Vives और साथियों की 2021 लैब स्टडी छोटी है। तंत्र दिखाती है। असंतुलित द्विभाषी लोगों ने चेहरे की भावना अपनी भाषा में नाम दी। दिमाग का डर वाला हिस्सा शांत पड़ा। उसी चेहरे को विदेशी भाषा में नाम दिया। वो शांत नहीं पड़ा। भावना का नाम रेगुलेशन का हुनर है। गलत भाषा में नाम वही काम नहीं करता।

Hall और साथी (2016) ने 78 स्टडी जोड़ीं। संस्कृति के हिसाब से ढाले मनोवैज्ञानिक प्रोग्राम। 13,998 लोग। 95 फ़ीसदी गैर-यूरोपीय अमेरिकी। ढाले प्रोग्राम बाकी तुलना से आगे रहे (Hedges' g = 0.67; असर कितना बड़ा है, इसका नाप)। खरीदार के लिए ज़रूरी बात ये है। ढाली हुई कॉपी, बिना ढाली उसी प्रोग्राम की कॉपी से आगे रही (g = 0.52)। यही लोकलाइज़ेशन का प्रीमियम है। आमने-सामने नापा हुआ।

Hendriks और साथी (2018) ने गैर-पश्चिमी देशों के 28 RCT देखे। RCT यानी ऐसी स्टडी जिसमें लोगों को लॉटरी की तरह दो ग्रुप में बांटा जाता है। पॉज़िटिव साइकोलॉजी प्रोग्राम। मन के सुखी होने पर असर मध्यम (g = 0.48)। मानसिक सुकून पर असर मध्यम (g = 0.40)। लेखकों ने लिखा। पश्चिम से बाहर प्रोग्राम बेहतर चल सकते हैं "बेहतर सांस्कृतिक फ़िट" की वजह से। फ़िट पोस्टर नहीं है। फ़िट भाषा है। मुहावरा है। जिस हाल में इंसान जीता है, वो है।

हर पैकिंग लाइन पर एक सीनियर ऑपरेटर होती है। हफ़्ता बिगड़े तो लोग उसी के पास जाते हैं। वो पर्चा नहीं थमाती। रुकती है। सुनती है। उसी भाषा में जवाब देती है जिसमें लोग उसके पास आए। भारतीय वेलनेस प्रोग्राम पैकिंग लाइन के पास से इंग्लिश पम्फलेट लेकर निकल जाते हैं। उसे देखभाल कहते हैं।

## 04 The emotional-fitness model applied

ख़ास बात

**2011 में इंग्लिश मातृभाषा 2,59,678 लोगों की थी — देश का 0.02 फ़ीसदी।**

इमोशनल फ़िटनेस (Emotional Fitness) अपॉइंटमेंट नहीं है। प्रैक्टिस है। सेशन बुक करके कैंसिल करने से फ़िटनेस नहीं आती। गिने जा सकने वाले रेप्स से आती है।

इमोशनऐप पॉज़िटिव साइकोलॉजी के तरीक़े रोज़ के रेप बनाता है। नब्बे सेकंड। एक टूल। एक टिक। पब्लिक लिस्ट में 21 प्रैक्टिस हैं। "Name It to Frame It" कहता है। अच्छी भावना का नाम दो। एक रत्न परिवार। एक शब्द। फिर गिने जाते हैं नाम और बारीकी स्कोर। बारीक भावना-शब्द के साथ खुद पर पकड़ स्थिर रहती है। जनता की भाषा में यही रत्न वर्गीकरण है।

**Twenty-three languages**

आज दो मातृभाषाएँ लाइव हैं। इंग्लिश और हिंदी। तेईस ब्रू में हैं — आठवीं अनुसूची की 22 प्लस इंग्लिश। उत्तर भारत के प्लांट को mental health support in Hindi पहली लोकलाइज़ेशन चाहिए। आख़िरी नहीं। पुणे की लाइन, कोयम्बटूर का बीपीओ, कोलकाता की फ़ील्ड टीम एक भावना-पहिया नहीं बाँटते।

multilingual employee wellbeing India अगर हिंदी पर रुक जाए, तो द इंग्लिश सीलिंग सिर्फ़ एक भाषा बायें खिसकी।

**A bilingual coach persona**

कोच इंग्लिश दिमाग प्लस अनुवाद प्लग-इन नहीं है। ये चेहरा मातृभाषा भी रखता है। ऑफ़िस इंग्लिश भी। भारतीय प्रोफ़ेशनल दोनों में जीते हैं। हिदायत इंग्लिश में लेते हैं। झगड़ा घर की भाषा में करते हैं। जो कोच एक ही काम करे, वो वो पल खो देगा जो मायने रखता है।

जब रेप से ज्यादा चाहिए, वही प्लेटफ़ॉर्म इंसान कोच के पास भेजता है। फिर विशेषज्ञ के पास। लकीर साफ़ रहती है। ये कोचिंग है। प्रैक्टिस है। क्लिनिक नहीं है।

**Emotion words per language — the gemstone taxonomy localised**

इंग्लिश भावना-पहिए पर्यटक का नक्शा हैं। ज़मीन नहीं हैं।

ब्रू की हर भाषा अपने रत्न परिवार रखती है। वो भावना-शब्द जो मूल बोलने वाला सच में बोलता है। हिंदी को "anxious" का अनुवाद नहीं चाहिए। घबराहट चाहिए। बेचैनी। डर। और वो हल्की उदासी जिसे फ़ॉर्म "sad" में रख दे और चूक जाए। तमिल, बांग्ला, मराठी — सबके अपने पत्थर हैं। काम एक-एक जोड़ ढूँढना नहीं है। काम ये है कि इंसान वो पत्थर चुने जो पहले से मुँह में है।

vernacular mental health app "vernacular" यहीं कमाता है। वरना कहीं नहीं।

**WhatsApp voice notes**

चैनल वही है जिसे वर्कफ़ोर्स दिन में सौ बार खोलता है। वॉइस नोट कीबोर्ड हटाते हैं। पहली भाषा का दाना रह जाता है। ठहराव। अटकना। बीच वाक्य आती कहावत। प्लांट वर्कर कभी नहीं टाइप करेगा "I felt overlooked in the briefing"। तीन सेकंड की आवाज़ में बता देगा ब्रीफ़िंग ने क्या किया।

**Folk proverbs as coaching — the Kahani Mirror**

कहानी मतलब स्टोरी। कहानी मिरर उस हफ़्ते के सामने एक कहावत या छोटी कथा रखता है। सजावट नहीं। कोचिंग का कदम।

"जो गरम है, ठंडा हो जाने दो।" सुपरवाइज़र प्लांट हेड का तीखा मैसेज पढ़ता है। जवाब देने से पहले उसे ठंडा होने देता है। यही जवाब से पहले का ठहराव है, दादी के चेहरे के साथ। "बूँद बूँद से सागर" — रोज़ के रेप की लकीर। सोच को बस सोच की तरह देखना सदियों से उन पंक्तियों में है जो कहती हैं मन बंदर है, मालिक नहीं। प्रोग्राम ज्ञान नहीं गढ़ता। भाषा में जो ज्ञान पहले से है, उसे अभी खत्म हुई शिफ़्ट पर लगाता है।

धंधे में भी यही है। दुकानदार को स्लाइड 14 पर "unit economics" मत सिखाओ। वो आढ़ती से उसी जुबान में उधार चलाता है। उसकी जुबान लो। फिर स्कोरबोर्ड जोड़ो।

## 05 The localisation ladder

खरीदारों को "multilingual" हाँ-ना बेचा जाता है। ये सीढ़ी है। employee wellbeing regional languages पाँच डंडियों पर बैठ सकती है। द इंग्लिश सीलिंग के नीचे चाल सिर्फ़ ऊपर की दो बदलती हैं।

**Five levels**

**Level 1 — Translated interface.** मेन्यू, बटन, गलती संदेश लोकल भाषा में। कोचिंग स्क्रिप्ट इंग्लिश। ये सेटिंग है। प्रोग्राम नहीं।

**Level 2 — Translated content.** लेख और वीडियो डब या सबटाइटल। मिसालें अब भी मेट्रो नौकरी वाली ज़िंदगी मानती हैं। फ़ील्ड तकनीशियन "inbox zero" का वीडियो देखता है। समझता है बेनिफिट उसके लिए नहीं।

**Level 3 — Local examples, imported script.** केस स्टडी प्लांट है। रोस्टर है। संयुक्त परिवार है। भावना-शब्द और कोचिंग चाल फिर भी इंग्लिश मनोविज्ञान हैं। भारतीय कपड़े में।

**Level 4 — Native emotion words and idioms.** रत्न वर्गीकरण उस भाषा में जीता है। कहावतें कोचिंग करती हैं। आवाज़ पहले दर्जे की है। इंसान बिना इंग्लिश में गए रेप पूरा कर सकता है।

**Level 5 — Native coaching.** दो भाषाओं वाला कोच चेहरा। मातृभाषा में जवाब। जब इंसान ऑफ़िस इंग्लिश पकड़े तो वो भी। फिर वैसा ही इंसान कोच। यही लोकलाइज़ेशन है। नीचे सब अनुवाद है। बेहतर रोशनी के साथ।

**Self-assessment for buyers**

इस हफ़्ते अपने वेंडर को नंबर दो। मेहरबानी मत करो। मेहरबानी से इंग्लिश-ओनली प्रोग्राम खरीद में बच जाते हैं।

| Question | Level 1 | Level 3 | Level 5 |
|---|---|---|---|
| Can a shop-floor operator complete a daily rep without English? | No | Sometimes, if the clip is dubbed | Yes, in voice or text |
| Are emotion words native, or translated from an English wheel? | Translated | Mixed | Native gem families |
| Do proverbs and local stories do any coaching work? | No | Decorative | Yes — Kahani Mirror or equivalent |
| Is WhatsApp or voice a first-class channel? | App-only | App plus a helpline number | Voice notes in the mother tongue |
| If the person wants a coach, can that coach answer in L1 and in workplace English? | English queue | Language match is luck | Designed bilingual persona + human hand-off |
| What does the employer dashboard show? | Logins | Sessions booked | Reps, streaks, vocabulary breadth, participation — no clinical data |

अगर जवाब बाएँ ढेर हैं, तो अनुवादित इंटरफ़ेस ख़रीदा है। multilingual employee wellbeing India नहीं ख़रीदा।

Hall का g = 0.52 लेवल 2 पर रुकने की क़ीमत है। बिना ढाला प्रोग्राम नए कोट में चलाया। उसे लोकल कहा।

# 06 Measurement

जो गिना जाता है, वही होता है। जो नाम वाले फ़ाइल में एचआर के पास जाता है, उस पर भरोसा नहीं बैठता।

इमोशनल फ़िटनेस के डैशबोर्ड पर क्लिनिकल डेटा नहीं होता। ये कमी नहीं है। ये प्रोडक्ट है।

**What the employer sees**

- **Rep counts.** इस हफ़्ते साइट या शिफ़्ट ने कितनी नब्बे सेकंड की प्रैक्टिस पूरी की।
- **Streaks.** कितने लोगों ने तीन दिन लगातार रेप किया। सात। इक्कीस। स्ट्रीक जिम कार्ड है। मेडिकल फ़ाइल नहीं।
- **Emotional-vocabulary breadth.** समूह कितने अलग भावना-शब्द नाम ले सकता है। किस भाषा में। प्लांट जो सिर्फ़ इंग्लिश में "stress" टिक करे, हुनर नहीं बना रहा। जो घबराहट, खिसियानी, उत्साह, संतोषम नाम ले — वो बना रहा है।
- **Participation.** कौन शुरू हुआ। कौन लौटा। कौन छूटा। साइट, शिफ़्ट, भाषा से। नाम के साथ क्लिनिकल कॉलम में नहीं। उसी यूनिट से जिसे सीएचआरओ पहले से चलाता है।

कंपनी उठाव वैसे देखती है जैसे फ़ैक्टरी उत्पादन देखती है। गिनती। दर। रुख। कंपनी वो वाक्य नहीं देखती जो ऑपरेटर ने वॉइस नोट में कहा।

**What the employer never sees**

जर्नल टेक्स्ट। वॉइस-नोट ऑडियो। कोच ट्रांसक्रिप्ट। पेरोल नंबर से बंधे निजी भावना लेबल। जो सुपरवाइज़र को एक निजी घंटा दोबारा बनाने दे।

ये उस ईएपी रिपोर्ट के उल्ट है जो "केस" लिखती है। और उन्हीं लोगों को डराती है जिन्हें आना था। इमोशनऐप डायग्नोसिस नहीं करता। इलाज नहीं करता। थेरेपी नहीं देता। डैशबोर्ड ऐसा बना है कि कोई दिखावा भी न कर सके।

चाकण की एक पैकर मुश्किल शिफ़्ट के बाद वॉइस नोट भेजती है। सुपरवाइज़र को साइट की गिनती में एक रेप और दिखता है। नोट नहीं। धंधा इसे कहेगा: ग्राहक को कॉपी बेची तो डायरी मत पढ़ो। स्कोरबोर्ड सार्वजनिक। बात निजी।

डेटा भारत में रहता है। प्लेटफ़ॉर्म DPDP पर बना है। क्वालिटी सिस्टम ISO 9001 और ISO 13485 के नीचे हैं। ये चलाने की शर्तें हैं। मार्केटिंग बैज नहीं। बहुराष्ट्रीय प्लांट के सीएचआरओ को पहले से बताना पड़ता है डेटा कहाँ है। पहला पायलट से पहले बताओ।

# 07 Implementation

नब्बे दिन काफी हैं ये देखने को कि अटक भाषा पर थी या नहीं: क्या नासिक की नाइट शिफ़्ट मराठी में रेप कर रही है, या नहीं? इतने छोटे भी हैं कि कोई "कल्चर-चेंज रोडमैप" के पीछे न छिपे।

| Week | Owner | Action | Metric |
|---|---|---|---|
| 1 | CHRO + plant HR | Pick one site, one language of the floor, one shift pattern. Write the English Ceiling in one sentence for that site. | Site chosen; language named; headcount in scope |
| 2 | HR + vendor | Map current benefit to the localisation ladder. Record the level in writing. | Ladder score 1–5 |
| 2 | Legal / DPO | Confirm India-resident data, DPDP role, retention, who can see the dashboard. | Written data map |
| 3 | Site leadership | Brief supervisors in the floor language. Not a forward of an English mail. A five-minute stand-up. | % of supervisors briefed |
| 3–4 | Communications | Launch on WhatsApp in the mother tongue. One rep as the invite, not a PDF policy. | Invite open rate; first-rep count |
| 4–6 | Employees | Daily reps live. Voice notes on. English available for those who want it; not required for those who do not. | Weekly active; language mix of reps |
| 6 | HRBP | First dashboard review: reps, streaks, vocabulary breadth, participation by shift. No individual content. | Review held; actions listed |
| 7–8 | Coach team | Bilingual hand-off live for the people who ask. Time-to-human measured. | Hand-off volume; wait time |
| 8 | CHRO | Compare participation below the English Ceiling with the last English-only campaign. | Participation ratio vs prior campaign |
| 9–10 | Site + vendor | Fix the two biggest drop-off points. Usually: wrong language on day one, or a keyboard when voice was needed. | Drop-off between invite and third rep |
| 11–12 | CHRO | Decide scale / hold / kill. Scale only if Level 4 or 5 is real and the floor is using it. | Go / no-go note to the board |
| 12 | Finance + HR | Cost per weekly-active user in the target language, not cost per eligible head. | Unit cost on the users who came |

हफ़्ता 8 की नाप "ऐप पसंद आया" नहीं है। नाप ये है: जो पैकर महीनों इंग्लिश ईएपी पोस्टर के पास से गुज़रती रही, क्या वो अब शिफ़्ट के बाद तमिल में वॉइस-नोट रेप भेजती है? अगर नहीं, तो लोकलाइज़ नहीं किया। पोस्टर का अनुवाद किया।

# 08 One-page checklist the reader can run this week

छापो। उसी दोपहर खरीद और प्लांट हेड के पास ले चलो।

1. इस साइट की वर्कफ़ोर्स का कितना हिस्सा इंग्लिश को घर की भाषा कहेगा? अगर पता नहीं, तो पहले से द इंग्लिश सीलिंग के ऊपर खड़े नीचे देख रहे हो।
2. सेफ़्टी ब्रीफ़िंग सच में किस भाषा में बैठती है — सरकारी वाली, या स्लाइड के बाद सुपरवाइज़र जो भाषा पकड़ता है?
3. मौजूदा वेलनेस वेंडर लोकलाइज़ेशन सीढ़ी पर कहाँ है (1–5)? नंबर लिखो। "multilingual" मत लिखो।
4. ऑपरेटर व्हाट्सऐप पर, आवाज़ में, फ़्लोर की भाषा में, बिना ईमेल अकाउंट बनाए एक प्रैक्टिस पूरी कर सकता है?
5. प्रोग्राम मूल भावना-शब्द इस्तेमाल करता है, या अनुवादित इंग्लिश पहिया?
6. कोई कहावत या कहानी परत है जिसे 45 साल का लाइन लीड अपना माने?
7. पहले महीने कंपनी कौन से चार नंबर देखेगी (रेप्स, स्ट्रीक, भावना-शब्द की चौड़ाई, भागीदारी)?
8. कंपनी क्या कभी नहीं देखेगी? ये कॉन्ट्रैक्ट में लिखो।
9. डेटा कहाँ बैठता है, DPDP का ज़िम्मेदार कौन, कौन सा ISO सिस्टम प्रक्रिया चलाता है?
10. हफ़्ता-8 की तुलना पिछले इंग्लिश-ओनली कैंपेन से कौन देखेगा — और कौन सा नतीजा रोकने को कहे?

अगर शुक्रवार तक 1, 3, 4 और 7 का जवाब नहीं, तो बेनिफिट अब भी हेड ऑफ़िस का सामान है।

# 09 FAQ

### Q1 ऐप का हिंदी अनुवाद हो चुका। हेडकाउंट का दसवाँ हिस्सा ही क्यों आता है?

क्योंकि 2011 की जनगणना में 10.6 फ़ीसदी भारतीयों ने इंग्लिश पहली, दूसरी या तीसरी भाषा बताई। अनुवादित इंटरफ़ेस फिर भी इंग्लिश खानों में कोचिंग करता है। दसवें हिस्से का आना सीलिंग है। कम्युनिकेशन की दिक्कत नहीं।

### Q2 जो ईएपी पहले से पैसे दे रहे हैं, इससे फ़र्क क्या है?

ईएपी पतली परत इस्तेमाल करती है। आमतौर पर इंग्लिश आराम वाली। इमोशनऐप 23 भाषाओं में व्हाट्सऐप पर 90 सेकंड के रोज़ के रेप गिनता है। भागीदारी दिखती है। स्ट्रीक दिखती है। बात नहीं दिखती।

### Q3 जहाँ ज्यादातर लोग दसवीं पर रुक गए, वहाँ चलेगा?

हाँ। वर्कफ़ोर्स का 90.2 फ़ीसदी दसवीं तक या उससे कम है। वॉइस नोट और मातृभाषा प्रॉम्प्ट को इंग्लिश फ़ॉर्म नहीं चाहिए। लंबा लेख नहीं चाहिए।

### Q4 संस्कृति के हिसाब से ढालना खरीद की झंझट के लायक है?

Hall और साथी (2016) ने पाया। संस्कृति के हिसाब से ढाले प्रोग्राम, बिना ढाले उसी प्रोग्राम से आगे रहे। g = 0.52। 78 स्टडी। 13,998 लोग। ये मध्यम असर है। ब्रांड की पसंद नहीं।

### Q5 अगर कोई संकट में हो?

इमोशनऐप नॉन-क्लिनिकल कोचिंग है। डायग्नोसिस नहीं करता। इलाज नहीं करता। थेरेपी नहीं देता। हर शिफ़्ट पोस्टर पर टेली-मानस 14416 लिखो। नंबर मुफ़्त है। 24 घंटे। भारतीय भाषाओं में चलता है।

# 10 References


Office of the Registrar General & Census Commissioner, India. (2018). **Census of India 2011, Paper 1 of 2018 — Language** (Table C-16, Population by Mother Tongue). https://censusindia.gov.in/nada/index.php/catalog/42458

Office of the Registrar General & Census Commissioner, India. (2011/2018). **Table C-17: Population by Bilingualism and Trilingualism**. Language Division portal: https://language.census.gov.in

Ministry of Finance, Government of India. (2025). **Economic Survey 2024-25**, Chapter XII, Employment and Skill Development. (PLFS 2023-24 unit-level analysis: 90.2 per cent of the workforce at secondary education or less.) https://www.indiabudget.gov.in/budget2025-26/economicsurvey/doc/eschapter/echap12.pdf

Ministry of Statistics and Programme Implementation. (2026). Press note on Periodic Labour Force Survey (PLFS) Annual Report 2025. PIB PRID 2246009. https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2246009

Pavlenko, A. (2012). Affective processing in bilingual speakers: Disembodied cognition? **International Journal of Psychology, 47**(6), 405–428. https://doi.org/10.1080/00207594.2012.743665

Dewaele, J.-M. (2004). The emotional force of swearwords and taboo words in the speech of multilinguals. **Journal of Multilingual and Multicultural Development, 25**(2–3), 204–222. https://doi.org/10.1080/01434630408666529

Harris, C. L., Gleason, J. B., & Ayçiçeği, A. (2006). When is a first language more emotional? Psychophysiological evidence from bilingual speakers. In A. Pavlenko (Ed.), **Bilingual Minds: Emotional Experience, Expression and Representation**. Multilingual Matters.

Vives, M. L., Costumero, V., Ávila, C., et al. (2021). Foreign language processing undermines affect labeling. **Affective Science**. https://doi.org/10.1007/s42761-021-00039-9

Hall, G. C. N., Ibaraki, A. Y., Huang, E. R., Marti, C. N., & Stice, E. (2016). A meta-analysis of cultural adaptations of psychological interventions. **Behavior Therapy, 47**(6), 993–1014. https://doi.org/10.1016/j.beth.2016.09.005

Hendriks, T., Schotanus-Dijkstra, M., Hassankhan, A., Graafsma, T., Bohlmeijer, E., & de Jong, J. (2018). The efficacy of positive psychological interventions from non-Western countries: A systematic review and meta-analysis. **International Journal of Wellbeing, 8**(1), 71–98. https://doi.org/10.5502/ijw.v8i1.711

Amaha. Fluency across 15+ Indian languages. https://www.amahahealth.com/

YourDOST. Support in over 20 Indian languages. https://yourdost.com/users

EmotionApp. Two mother tongues today. Twenty-three in the brew. https://emotionapp.in/

EmotionApp. Name It to Frame It — one gem family, one word. https://emotionapp.in/techniques

Ministry of Health and Family Welfare. Tele-MANAS. https://telemanas.mohfw.gov.in/

# लेखक के बारे में

**लेखक के बारे में**

**डॉ. अतुल असवानी**; मुंबई के साइकियाट्रिस्ट और ट्रेंड रिज़ल्ट्स कोच
डॉ. अतुल असवानी मुंबई के साइकियाट्रिस्ट और ट्रेंड रिज़ल्ट्स कोच हैं। पढ़ाई सेठ जी.एस. मेडिकल कॉलेज (MBBS) और College of Physicians & Surgeons (DPM) से। इमोशनऐप बनाते हैं। भारतीय प्रोफ़ेशनल के लिए नॉन-क्लिनिकल इमोशनल फ़िटनेस प्लेटफ़ॉर्म। कंपनी Tranquilo Meditek Sytems Private Limited। काम क़ानूनी लकीर पर है: कोचिंग और रोज़ के रेप। क्लिनिक नहीं।

**हवाला कैसे दें**

Aswani A. द इंग्लिश सीलिंग. EmotionApp White Paper 5 (Hindi edition). Mumbai: Tranquilo Meditek Sytems Private Limited; 2026. https://emotionapp.in/research/the-english-ceiling

**अपडेट**

22 September 2026

**नोट**

इमोशनऐप एक नॉन-क्लिनिकल इमोशनल फ़िटनेस कोचिंग प्लेटफ़ॉर्म है। यह पेपर प्रैक्टिस, तरीकों और कोचिंग के बारे में है। यह थेरेपी, इलाज, डायग्नोसिस या मेडिकल सलाह नहीं है।

© 2026 Tranquilo Meditek Sytems Private Limited, Mumbai · emotionapp.in

**सुरक्षा नोट**

अगर आप परेशानी में हैं, तो किसी योग्य प्रोफ़ेशनल से या Tele-MANAS (14416) पर बात करें।